Anekant Education Society's

Tuljaram Chaturchand College of Arts, Science & Commerce, Baramati.

(Autonomous College)

Revised Syllabus for the M.A.-II

(Semester- III)

Year : 2023 – 24

Programme:- M.A.-II

Hindi

CBCS Pattern

Credit Based Semester System

(Revised Syllabus with effect from 2023)

Anekant Education Society's

Tuljaram Chaturchand College of Arts, Science & Commerce, Baramati.

(Autonomous College)

Department of Hindi

Syllabus

Course Structure for M.A.-II

Semester-III

Course Code	Course Name	Maximum Marks		Total	
		External	Internal	Marks	Credits
PAHN 231	आधुनिक काव्य (P-9)	60	40	100	03
PAHN 232	भाषाविज्ञान (P-10)	60	40	100	03
PAHN 233	हिंदी साहित्य का इतिहास (P-11)	60	40	100	03
PAHN 234	आधुनिक हिंदी आलोचना (P-12)	60	40	100	03

(40 - 60 pattern to be Implemented from 2023-2024)

Anekant Education Society's

Tuljaram Chaturchand College of Arts, Science & Commerce, Baramati.

(Autonomous College)

Department of Hindi

Syllabus

Course Structure for M.A.-II

Semester-III

CBCS Pattern

Ability Enhancement Compulsory Course (AECC)
Skill Enhancement Course

Semester-III

Course Code	Course Name	Maximum Marks		Total	
		External	Internal	Marks	Credits
PAHN SEC-1	अनुवाद : स्वरूप एवं व्यवहार	50	-	50	02

(50 pattern to be Implemented from 2023-2024)

Hindi M.A. II
Sem- III

अनेकांत एज्युकेशनसोसायटी,

तुळजारामचतुरचंदमहाविद्यालय, बारामती

(कला, विज्ञान व वाणिज्य)

(स्वायत्त)

एम. ए. (भाग–2)

सेमिस्टर	पेपरकोडनं.	पेपरकानाम	क्रेडिट
III	PAHN 231	प्रश्नपत्र 9 : सामान्य स्तर–आधुनिककाव्य 1	04

एम.ए. (हिंदी) तृतीय सत्र
प्रश्नपत्र 9 : सामान्य स्तर
आधुनिक काव्य–1
(छायावादी तथा नई कविता)
PAPER CODE : PAHN 231
(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट= 04)
पाठ्यक्रम
(शैक्षिकवर्ष : 2023–24 से)

उद्देश्यः

1. छात्रों को आधुनिक हिंदी काव्य की प्रवृत्तियों का परिचय कराना।
2. छात्रों को आधुनिककाल के प्रबंध और मुक्तक काव्य के तात्विक स्वरूप की जानकारी देना।
3. आधुनिक युग में इन काव्य प्रकारों के विकास क्रम का परिचय देना।
4. छात्रों को आधुनिक काव्य प्रकारों के तात्विक स्वरूप एवं विकास क्रम के परिप्रेक्ष्य में रचनाओं के आस्वादन,अध्ययन और मूल्यांकन की दृष्टि देना।
5. काव्य मूल्यांकन –दृष्टि विकसित करना।

अध्यापन पद्धतिः

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
3. दृक–श्राव्य माध्यमों / संगणक तथा इंटरनेट का प्रयोग।
4. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।
5. परिचर्चा।
6. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान।

ईकाई–I	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
ईकाई–I	कामायनी (श्रद्धा सर्ग) – जयशंकरप्रसाद संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन	15 तासिकाएँ
ईकाई–II	कामायनी (लज्जा सर्ग) – जयशंकरप्रसाद संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन	15 तासिकाएँ
ईकाई–III	1) बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिणी भी हूँ – महादेवी वर्मा 2) पहाडी बच्चा – निर्मल पुत्तल 3) कूडा बीनते बच्चे – अनामिका 4) जिंदगी का नमक – निर्मला गर्ग 5) अंधेरे में बुद्ध – गगन गिल उक्त रचनाओं का, संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।	15 तासिकाएँ
ईकाई– IV	1) बात बोलेगी – शमशेर बहादुर सिंह 2) एक पीली शाम – शमशेर बहादुर सिंह 3) भारत की आरती – शमशेर बहादुर सिंह 4) रोटी और संसद – धूमिल 5) मोचीराम – धूमिल उक्त रचनाओं का, संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।	15 तासिकाएँ

अनेकांत एज्युके□ान सोसायटी का,

तुळजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(कला, विज्ञान व वाणिज्य)

(स्वायत्त)

एम. ए. (भाग–2)

सेमिस्टर	पेपर कोड नं.	पेपर का नाम	क्रेडिट
III	PAHN 232	प्रश्नपत्र 10 विशेष स्तरः— भाषा विज्ञान	04

एम.ए. (हिंदी) तृतीय सत्र
प्रश्नपत्र 10 : विशेष स्तर
भाषा विज्ञान
PAPER CODE : PAHN 232
(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट= 04)
पाठ्यक्रम
(शैक्षिक वर्ष : 2023–24 से)

उद्देश्य :

1. भाषा विज्ञान के अंगों एवं विभिन्न शाखाओं का परिचय देना।
2. भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक पक्ष से अवगत कराना।
3. भारती आर्य भाषाओं के ऐतिहासिक विकास क्रम की जानकारी देना।
4. हिंदी के शब्द भंड़ार एवं व्याकरणिक स्वरूप से परिचित कराना।
5. हिंदी के शब्द–भेदों के विकास क्रम का विवरण देना।
6. हिंदी के विविध रूपों की जानकारी देना।
7. साहित्य के अध्ययन में भाषाविज्ञान की उपयोगिता स्पष्ट करना।
8. विकास के संदर्भ में देवनागरी लिपि की विशेष जानकारी देना।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
3. दृक–श्राव्य माध्यमों / संगणक तथा इंटरनेट का प्रयोग।
4. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।
5. भाषा प्रयोगशाला में प्रयोग।
6. परिचर्चा तथा अतिथि विद्वानों के व्याख्यान।

10. भाषा विज्ञान की भूमिका – आचार्य देवेंद्रनाथ शर्मा
11. सामान्य भाषा विज्ञान – डॉ. बाबूराम सक्सेना
12. आधुनिक भाषा विज्ञान – डॉ. कृपाशंकर सिंह
13. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत – डॉ. रामकिशोर शर्मा
14. भाषा और भाषा विज्ञान – डॉ. तेजपाल चौधरी
15. भाषा–ब्लूमफील्ड (अनुवादक– डॉ. विश्वनाथ प्रसाद)
16. हिंदी भाषा – डॉ. भोलानाथ तिवारीच
17. हिंदी भाषा का उद्भव और विकास– डॉ. उदयनारायण तिवारी
18. हिंदी का उद्भव, विकास और रूप – डॉ. हरदेव बाहरी
19. हिंदी की ग्रामीण बोलियाँ – डॉ. हरदेव बाहरी
20. हिंदी और उसकी उपभाषाओं का स्वरूप–डॉ.अंबाप्रसाद'सुमन'
21. हिंदी भाषा – कैलाशचंद्र भाटिया
22. हिंदी भाषा का इतिहास – डॉ. भोलानाथ तिवारी
23. भारतीय लिपियों की कहानी – गुणाकर मुले
24. नागरी लिपि रूप और सुधार – मोहन ब्रिज
25 नागरी लिपि का उद्भव और विकास– डॉ.ओमप्रकाश भाटिया
26. नागरी की लिपि संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
27. भारत की भाषाएँ – डॉ. राजमल बोरा
28. हिंदी भाषा का विकासात्मक इतिहास–डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
29. हिंदी भाषा का इतिहास और स्वरूप – डॉ. राममूर्ति शर्मा
30. आधुनिक भाषा विज्ञान – डॉ. केशवदत्त रूपाली
31. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा की भूमिका – त्रिलोचन पांडेय
32. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा का स्वरूप विकास – डॉ. देवेंद्र प्रताप सिंह
33. भाषा विज्ञान और हिंदी – डॉ. रामगोपाल शर्मा 'दिनेश'
34. भाषा शास्त्र तथा हिंदी भाषा की रूपरेखा– डॉ. देवेंद्रकुमार शास्त्री
35. आधुनिक भाषा विज्ञान – डॉ. राजमणि शर्मा
36. भाषा विज्ञान प्रवेश और हिंदी भाषा – डॉ. भोलानाथ तिवारी
37. अभिनव भाषा विज्ञान – डॉ. ओमप्रकाश शर्मा
38. आधुनिक भाषा विज्ञान – कृपाशंकर सिंह / चतुर्भुज सहाय

अनेकांत एज्युकेशनसोसायटी,

तुळजारामचतुरचंदमहाविद्यालय, बारामती

(कला, विज्ञान व वाणिज्य)

(स्वायत्त)

एम. ए. (भाग–2)

सेमिस्टर	पेपरकोडनं.	पेपरकानाम	क्रेडिट
III	PAHN 233	प्रश्नपत्र 11 विशेषस्तर–हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल तक)	04

एम.ए. (हिंदी) तृतीय सत्र

प्रश्नपत्र 11 : विशेष स्तर

हिंदी साहित्य का इतिहास

(आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल तक)

PAPER CODE : PAHN 233

(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट= 04)

पाठ्यक्रम

(शैक्षिकवर्ष : 2023–24 से)

उद्देश्य :

1. छात्रों को युगीन परिस्थितियों और साहित्यिक प्रवृत्तियों के आधार पर हिंदी साहित्य के इतिहास के काल विभाजन तथा नामकरण का परिचय देना।
2. आदिकालीन, भक्तिकालीन तथा रीतिकालीन प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों, प्रतिनिधि कवियों और उनकी रचनाओं से परिचित कराना।
3. जैन, सिध्द, नाथ और अपभ्रंश साहित्य के प्रभाव से अवगत कराना।
4. युगीन सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक,साहित्यिक तथा आर्थिक परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य से अवगत कराना।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
3. दृक–श्राव्य माध्यमों / संगणक तथा इंटरनेट का प्रयोग।
4. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।
5. परिचर्चा।
6. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान।

संदर्भग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आ. रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – संपा. डॉ. नगेंद्र
3. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास– डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
4. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
5. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
6. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. श्यामचंद्र कपूर (प्रभात प्रकाशन,दिल्ली)
7. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह
8. हिंदी साहित्य और उसकी प्रवृत्तियाँ – डॉ. गोविंदराम शर्मा
9. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. जयकिशनप्रसाद खंडेलवाल
10. हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास – बाबू गुलाबराय
11. आधुनिक साहित्य का इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह
12. हिंदी साहित्य की भूमिका – डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
13. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास– डॉ. रामकुमार वर्मा
14. हिंदी गद्य : उद्भव और विकास – डॉ. उमेश शास्त्री
15. हिंदी साहित्य : एक परिचय – डॉ. त्रिभुवन सिंह
16. हिंदी साहित्य और संवेदना का इतिहास– डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
17. हिंदी रीति साहित्य – डॉ. भगीरथ मिश्र
18. रीतियुगीन काव्य – डॉ. कृष्णचंद्र वर्मा
19. रीतिकाव्य की भूमिका – डॉ. नगेंद्र
20. हिंदी रीतिकालीन पर काव्य संस्कृत काव्य का प्रभाव– डॉ. दयानंद शर्मा
21. आधुनिक हिंदी साहित्य का आदिकाल – श्री. नारायण चतुर्वेदी
22. हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ – डॉ. शिवकुमार शर्मा
23. हिंदी साहित्य का प्रवृत्तिपरक इतिहास – डॉ. सभापति मिश्र
24. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. माधव सोनटक्के
25. हिंदी साहित्य का अद्यतन इतिहास – डॉ. मोहन अवस्थी
26. हिंदी साहित्य का सही इतिहास–डॉ. चंद्रभानु सोनवने,सूर्यनारायन रणसुभे

अनेकांत एज्युकेशनसोसायटी,

तुळजारामचतुरचंदमहाविद्यालय, बारामती

(कला, विज्ञान व वाणिज्य)

(स्वायत्त)

एम. ए. (भाग–2)

सेमिस्टर	पेपरकोडनं.	पेपरकानाम	क्रेडिट
III	PAHN 234	प्रश्नपत्र 12 विशेषस्तर – वैकल्पिक आधुनिक हिंदी आलोचना	04

एम.ए. (हिंदी) तृतीय सत्र
प्रश्नपत्र 12 : विशेष स्तर
वैकल्पिक : (अ) आधुनिक हिंदी आलोचना

PAPER CODE : PAHN 234

(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट= 04)

पाठ्यक्रम

(शैक्षिक वर्ष : 2023–24 से)

उद्देश्य :

1. छात्रों को आलोचना के स्वरूप से परिचित कराना ।
2. हिंदी आलोचना के विकास का परिचय देना ।
3. हिंदी के प्रमुख आलोचकों की आलोचना पद्धतियों से अवगत कराना ।
4. हिंदी आलोचकों के प्रदेय से परिचित कराना ।
5. छात्रों में आलोचनात्मक दृष्टि विकसित कराना ।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण ।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा तथा परिचर्चा ।
3. दृक–श्राव्य माध्यमों, संगणक तथा इंटरनेट का प्रयोग।
4. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।
5. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान ।

संदर्भग्रंथः

1. हिंदी आलोचना : स्वरूप और प्रक्रिया – आनंदप्रकाश दीक्षित
2. आचार्य शुक्ल के समीक्षा सिद्धांत – डॉ. रामलाल सिंह
3. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना– डॉ. रामविलास शर्मा
4. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदीः व्यक्तित्व और साहित्य– डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त
5. आ. नंददुलारे वाजपेयीः व्यक्तित्व और साहित्य–डॉ.रामाधार शर्मा
6. हिंदी आलोचना का इतिहास – डॉ. रामदरश मिश्र
7. हिंदी आलोचना : उद्भव और विकास – भगवत स्वरूप मिश्र
8. हिंदी के विशिष्ट आलोचक – नंदकुमार राय
9. हिंदी आलोचना के आधार स्तंभ – डॉ. रामेश्वर खंडेलवाल
10. हिंदी की सैद्धांतिक समीक्षा – डॉ. रामाधार शर्मा
11. हिंदी की सैद्धांतिक आलोचना – डॉ. रूपकिशोर मिश्र
12. हिंदी समीक्षा : स्वरूप और संदर्भ – डॉ. रामदरश मिश्र
13. हिंदी आलोचना की परंपरा और आचार्य रामचंद्र शुक्ल –डॉ.शिवकुमार मिश्र
14. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी – संपा. विश्वनाथ तिवारी
15. डॉ. नगेंद्र के आलोचना सिद्धांत – नारायण प्रसाद चौबे
16. डॉ. रामविलास शर्मा – डॉ. विश्वनाथप्रसाद तिवारी
17. आलोचक रामविलास शर्मा – डॉ. नत्थन सिंह
18. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के अधुनातम संदर्भ– डॉ. सत्यदेव मिश्र
19. पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत विवेचन – डॉ. ओमप्रकाश शर्मा
20. काव्यशास्त्र – डॉ. सुधाकर कलावडे
21. साहित्य अध्ययन की दृष्टियॉ– संपा. डॉ. उदय भानु सिंह, डॉ. उदयप्रकाश
22. आधुनिकता बनाम उत्तर आधुनिकता– संपादक–डॉ. संजीव कुमार जैन तथा डॉ. मणिमोहन मेहता
23. आलोचना और आलोचना– देवीशंकर अवस्थी, वाणी प्रकाशन, 21ए, दरियागंज, नई दिल्ली–2

अनेकांत एज्युकेशन सोसायटी,

तुळजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(कला, विज्ञान व वाणिज्य)

(स्वायत्त)

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला [M.A.-II]

अनुवाद : स्वरूप एवं व्यवहार

[Skill Based Subject]

सेमिस्टर	पेपर कोड नं.	पेपर का नाम	क्रेडिट
I	**PAHN SEC-1**	अनुवाद : स्वरूप एवं व्यवहार **[SD - 1]**	**02**
II	**PAHN SEC-2**	अनुवाद : स्वरूप एवं व्यवहार **[SD - 2]**	**02**

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला [M.A.-II]

SEMISTER – III

Skill Based Subject

PAPER CODE : PAHN SEC-1

अनुवाद : स्वरूप एवं व्यवहार

(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक / कमांक / क्रेडिट= 02)

पाठ्यक्रम

(शैक्षिक वर्ष : 2023–24 से)

उद्देश्य (Objectives) :

1) अनुवाद का सामान्य परिचय तथा अनुवाद प्रक्रिया, सैद्धांतिक पक्ष, समस्या, भेद आदि से शिक्षार्थी को मार्गदर्शन कराना।
2) छात्रों को अनुवाद का महत्व बताना और अनुवाद के लिए योग्य बनाना।
3) अनुवाद के उपयोगी विभिन्न क्षेत्रों की जानकारी देना।
4) हिंदी–मराठी–अंग्रेजी भाषाओं के पारस्परिक अनुवाद संबंधी मार्गदर्शन करना।
5) शिक्षार्थी को अनुवाद कार्य के लिए योग्य बनाना।

अपेक्षित परिणाम (Outcomes) :

1) छात्रों का हिंदी–मराठी–अंग्रेजी तीनों भाषाओं पर प्रभुत्व होना।
2) छात्र अनुवाद के महत्व को समझकर अनुवाद करने योग्य बन जाना।
3) छात्रों का अनुवाद से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों से परिचित होना।

अध्यापन पद्धति :

1) व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2) स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
3) अतिथि विषज्ञों के व्खाख्यान।
4) दृक–श्राव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग।
5) अध्ययन यात्रा का आयोजन।

ईकाई–I	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
ईकाई–I	अनुवाद : अर्थ, स्वरूप, परिभाषा। अनुवाद : प्रकिया के सोपान अनुवाद : सहायक सामग्री अनुवाद : अनुवादक के गुण	15 तासिकाएँ
ईकाई–II	अनुवाद : परियोजना 1. कहानी 2. 10 कविताएं 3. लघुउपन्यास	15 तासिकाएँ

संदर्भ ग्रंथ–

1) अनुवाद चिंतन – डॉ. अर्जुन चव्हाण

2) अनुवाद समस्याएं और संदर्भ – प्रा. बलवंत जेऊरकर

3) कार्यालयीन हिंदी एवं कार्यालयीन अनुवाद तकनीक – डॉ. सुरेश माहेश्वरी

4) अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग – भोलानाथ तिवारी

5) अनुवाद विज्ञान की भूमिका – कृष्णकुमार गोस्वामी

6) अनुवाद रूपरेखा – डॉ. सुरेश कुमार

7) अनुवाद की प्रक्रिया, तकनीक और समस्याएँ – डॉ. श्रीनारायण समीर।

8) ई–अनुवाद और हिंदी – हरिशकुमार सेठी।